



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 461]

नई दिल्ली, शुक्रवार, सितम्बर 1, 2000/भाद्र 10, 1922

No. 461]

NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 1, 2000/BHADRA 10, 1922

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 सितम्बर, 2000

सा. का. नि. 703(अ).— केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 1944 का 1। की धारा 5क की उपधारा 11। द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, यह निदेश देती है कि इस अधिसूचना से उपाबद्ध सारणी के स्तंभ 12। में विनिर्दिष्ट, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय [राजस्व विभाग] की प्रत्येक अधिसूचना का, उक्त सारणी के स्तंभ 13। में विनिर्दिष्ट रीति से संशोधन किया जायेगा, सारणी

क्रम सं.	अधिसूचना सं० और तारीख	संशोधन
1।	12।	13।
1	8/2000—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 1 मार्च, 2000	<p>उक्त अधिसूचना में,—</p> <p>ii। सारणी में,</p> <p>क। कम सं० 1 के सामने स्तंभ 2 में</p> <p>1। “ पचास लाख रुपये ” शब्द के स्थान पर “ एक सौ लाख रुपये ” शब्द रखे जायेंगे,</p> <p>ii। अंत में निम्नलिखित परन्तुक रखा जायेगा,—</p> <p>“यदि इस अधिसूचना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2000—2001 में घरेलू उपयोग के लिए कोई निकासियां 1 सितम्बर, 2000 से पहले शून्य दर पर या अन्यथा की गई हैं, 100 लाख रुपये मूल्य की सीमा की सगणना के लिए, उन निकासियों को हिसाब में लिया जायेगा।</p>
		<p>ख। कम सं० 2 एवं उनसे संबंधित प्रविष्टियां लुप्त समझी जायेंगी</p> <p>iii। सारणी के पश्चात्, निम्नलिखित रखा जायेगा—</p> <p>सारणी के कम सं० 1 के संबंध में उदाहरण [इन समस्त उदाहरणों में, “ निकासियों ” का अर्थ होगा “ घरेलू उपयोग के लिए की गई निकासियां”।</p> <p>उदाहरण 1 31 अगस्त, 2000 को, किसी विनिर्माता द्वारा शून्य दर पर की गई निकासियों का मूल म 47</p>

		<p>के दौरान, शून्य दर पर 60 लाख रुपये तक के मूल्य की अतिरिक्त निकासी करने का हकदार है ।</p> <p>उदाहरण 2— 31 अगस्त को, किसी विनिर्माता द्वारा, 60 लाख रुपये की कुल मूल्य की निकासियां की गई हैं, जिसमें से, 50 लाख रुपये की कुल मूल्य की निकासियां शून्य दर पर की गई हैं और 10 लाख रुपये की कुल मूल्य की निकासियां, 5 प्रतिशत की रियायती दर पर की गई हैं । वह विनिर्माता वित्तीय वर्ष 2000-2001 के शेष भाग के दौरान 40 लाख रुपये मूल्य तक के शून्य दर पर निकासी का हकदार है ।</p>
		<p>उदाहरण 3— 31 अगस्त को, किसी विनिर्माता द्वारा, 110 लाख रुपये की कुल मूल्य की निकासियां की गई हैं, जिसमें से, 50 लाख रुपये की कुल मूल्य की निकासियां शून्य दर पर की गई हैं और 50 लाख रुपये की कुल मूल्य की निकासियां 5 प्रतिशत की रियायती दर पर एवं 10 लाख रुपये की कुल मूल्य की निकासियां, सामान्य दर पर की गई हैं । उक्त विनिर्माता वित्तीय वर्ष 2000-2001 के शेष भाग के दौरान शून्य दर पर अतिरिक्त निकासी का हकदार नहीं होगा ।</p> <p>iii। स्पष्टीकरण में खंड ज के पश्चात् निम्नलिखित खंड रखा जायेगा,—</p> <p>“ झ 1 सितम्बर से पूर्व की गई निकासियों पर, 5 प्रतिशत रियायती दर पर भुगतान की गई शुल्क की वापसी, इस आधार पर कि उक्त निकासियों पर अदा किया शुल्क कम सं० 1 में संगणना के लिये हिसाब में सम्मिलित है नहीं होगी । ।</p>
2.	9/2000-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 1 मार्च, 2000	<p>उक्त अधिसूचना में,—</p> <p>ii। सारणी में,</p> <p>क। कम सं० 1 के सामने स्तंभ 2 में</p> <p>II। “ पचास लाख रुपये ” शब्द के स्थान पर “ एक सौ लाख रुपये ” शब्द रखे जायेंगे,</p> <p>III। अंत में निम्नलिखित परन्तुक रखा जायेगा,—</p> <p>यदि इस अधिसूचना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2000-2001 में घरेलू उपयोग के लिए कोई निकासियां 1 सितम्बर, 2000 से पहले की गई हैं, शून्य दर पर या अन्यथा की गई हैं 100 लाख रुपयों मूल्य की सीमा की संगणना करने के लिए उन निकासियों को हिसाब में लिया जायेगा ।</p>
		<p>ख। कम सं० 2 एवं उनसे संबंधित प्रविष्टियां लुप्त समझी जायेगी</p> <p>iii। सारणी के पश्चात् निम्नलिखित रखा जायेगा—</p> <p>सारणी के कम सं० 1 के संबंध में उदाहरण इन समस्त</p>

		उदाहरणों में, “निकासियों” का अर्थ होगा “घरेलू उपभोग के लिए की गई निकासियां”।
		उदाहरण 1— 31 अगस्त को, किसी विनिर्माता द्वारा, 60 लाख रुपये की कुल मूल्य की निकासियों की गई है, जिसमें से, 50 लाख रुपये की कुल मूल्य की निकासियां 60 प्रतिशत की रियायती दर पर की गई हैं और 10 लाख रुपये की कुल मूल्य की निकासियां, 80 प्रतिशत की रियायती दर पर की गई हैं। वह विनिर्माता वित्तीय वर्ष 2000-2001 के शेष भाग के दौरान, 60 प्रतिशत की रियायती दर पर 40 लाख रुपये तक के मूल्य की अतिरिक्त निकासी करने का हकदार है।
		उदाहरण-2 : कोई विनिर्माता वित्तीय वर्ष 2000-2001 में अधिसूचना 8/2000-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 2000 के अधीन 30 लाख रुपये कुल मूल्य की निकासियां शून्य दर पर कर लेता है। तब वह विनिर्माता इस अधिसूचना के अधीन छूट का लाभ लेना चाहता है। 31 अगस्त 2000 तक वह विनिर्माता 60 लाख रुपये कुल मूल्य की निकासियां, जिनमें 30 लाख रुपये कुल मूल्य की निकासियां शून्य दर पर एवं 20 लाख रुपये मूल्य की निकासियां 60 प्रतिशत की रियायती दर पर एवं 10 लाख रुपये मूल्य की निकासियां 80 प्रतिशत की रियायती दर पर सम्मिलित हैं, कर लेता है। वह विनिर्माता वित्तीय वर्ष 2000-2001 के शेष भाग के दौरान, 60 प्रतिशत की रियायती दर पर 40 लाख रुपये तक के मूल्य की अतिरिक्त निकासी करने का हकदार है।
		उदाहरण 3— 31 अगस्त को, किसी विनिर्माता द्वारा, 110 लाख रुपये की कुल मूल्य की निकासियों की गई हैं, जिसमें 50 लाख रुपये मूल्य की निकासियां 60 प्रतिशत की रियायती दर पर की गई हैं और 50 लाख रुपये मूल्य की निकासियां, 80 प्रतिशत की रियायती दर पर एवं 10 लाख रुपये मूल्य की सामान्य दर पर सम्मिलित हैं। वह विनिर्माता वित्तीय वर्ष 2000-2001 के शेष भाग के दौरान इस अधिसूचना के अंतर्गत किसी रियायत का हकदार नहीं होगा।
		iii। पैरा 2 के पश्चात् उदाहरण I, II, III एवं IV, लुप्त समझे जायेंगे। iv। स्पष्टीकरण में खंड ज के पश्चात् निम्नलिखित रखा जायेगा— “ झ 1 सितम्बर से पूर्व की गई निकासियों पर, 60 प्रतिशत रियायती दर पर भुगतान की गई शुल्क की वापसी, इस आधार पर कि उक्त निकासियों पर अदा किया शुल्क कम से 1 में सगणना के लिये हिसाब में सम्मिलित है, नहीं होगा।

- टिप्पणी :—** 1 मूल अधिसूचना भारत के राजपत्र में अधिसूचना स 8/2000—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 2000 [सा.का.नि. 186 अ।, तारीख 1 मार्च, 2000] द्वारा प्रकाशित की गई थी उसका अंतिम बार संशोधन अधिसूचना सं. 31/2000—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 31 मार्च, 2000 [सा.का.नि. 291 अ।, तारीख 31 मार्च, 2000] द्वारा किया गया ।
- 2 मूल अधिसूचना भारत के राजपत्र में अधिसूचना स 9/2000—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 2000 [सा.का.नि. 187 अ।, तारीख 1 मार्च, 2000] द्वारा प्रकाशित की गई थी उसका अंतिम बार संशोधन अधिसूचना स 31/2000—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 31 मार्च, 2000 [सा.का.नि. 291 अ।, तारीख 31 मार्च, 2000] द्वारा किया गया ।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st September, 2000

G.S.R. 703(E).— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944) the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby directs that each of the notifications of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), specified in column(2) of the Table hereto annexed shall be amended in the manner specified in column(3) of the said Table.

TABLE

Sl. No.	Notification No. and date	Amendment
(1)	(2)	(3)
1.	8/2000 - Central Excise dated the 1 st March, 2000	<p>In the said notification,-</p> <p>(i) in the TABLE, -</p> <p>(a) against Sl No 1, in column (2) ,-</p> <p>(I) for the words “fifty lakh rupees”, the words “ one hundred lakh rupees” shall be substituted,</p> <p>(II) the following proviso shall be inserted at the end namely;-</p> <p>“ Provided that if any clearances for home consumption have been made before the 1st day of September, 2000 under this notification during the financial year 2000-2001 ,whether at nil rate or otherwise, the aggregate value of such clearances shall be taken into account for computing the limit of one hundred lakh rupees”.</p>

		<p>(b) Sl No 2 and the entries relating thereto shall be omitted;</p> <p>(ii) after the TABLE, the following shall be inserted namely:-</p> <p>‘ILLUSTRATIONS REGARDING SL NO 1 OF THE TABLE (In these Illustrations, “clearances” means clearances for home consumption)</p> <p><i>Illustration 1.</i> As on the 31st day of August, 2000, a manufacturer has made clearances of an aggregate value of forty lakh rupees at nil rate of duty. He shall be entitled to additional duty free clearances upto an aggregate value of sixty lakh rupees, only in the remaining part of the financial year 2000-2001.</p> <p><i>Illustration 2.</i> As on the 31st day of August, 2000, a manufacturer has made clearances of an aggregate value of sixty lakh rupees, comprising of fifty lakh rupees at nil rate of duty and ten lakh rupees at the concessional rate of duty at five per cent. He shall be entitled only to additional duty free clearances upto an aggregate value of forty lakh rupees only, during the remaining part of the financial year 2000-2001.</p> <p><i>Illustration 3.</i> As on the 31st day of August, 2000, a manufacturer has made clearances of an aggregate value of one hundred and ten lakh rupees, comprising of fifty lakh rupees at nil rate of duty, fifty lakh rupees at the concessional rate of duty of five per cent and ten lakh rupees at the normal rate of duty. He shall not be entitled to any additional clearances at nil rate of duty during the remaining part of the financial year 2000-2001.</p> <p>(iii) in the <i>Explanation</i>, after clause (H),</p>
--	--	------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------

		<p>the following clause shall be inserted, namely:-</p> <p>“(I) refund of duty paid at the concessional rate of five per cent on any clearances made before the 1st day of September 2000 on the ground that such clearances are included in the aggregate value of clearances under Sl.No.1 of the TABLE, shall not be admissible.”</p>
2.	9/2000 - Central Excise dated the 1 st March, 2000	<p>In the said notification,-</p> <p>(i) in the TABLE,</p> <p>(a) against Sl No 1, in column (2) ,-</p> <p>(I) for the words “fifty lakh rupees”, the words “ one hundred lakh rupees” shall be substituted;</p> <p>(II) the following proviso shall be inserted at the end namely,-</p> <p>“ Provided that if any clearances for home consumption have been made before the 1st day of September 2000 , whether at nil rate or otherwise, the aggregate value of such clearances shall be taken into account for computing the limit of one hundred lakh rupees.”</p> <p>(b) Sl No 2 and the entries relating thereto shall be omitted;</p> <p>(ii) after the TABLE, the following shall be inserted, namely,-</p> <p>‘ILLUSTRATIONS REGARDING SL NO 1 OF THE TABLE(In these Illustrations, “clearances” means clearances for home consumption.</p> <p><i>Illustration 1.</i> As on the 31st day of August, 2000, a manufacturer made clearances of an aggregate value of sixty lakh rupees, comprising of fifty lakh rupees at the concessional rate of sixty per cent of normal duty and ten lakh rupees at the concessional rate of eighty per cent of</p>

		<p>normal duty. He shall be entitled to additional clearances upto an aggregate value of forty lakh rupees, at the concessional rate of sixty per cent of normal duty, during the remaining part of the financial year 2000-2001.</p> <p><i>Illustration 2.</i> A manufacturer made clearances of an aggregate value of clearances of thirty lakh rupees at nil rate during the financial year 2000-2001 under notification 8/2000-Central Excise dated the 1st March 2000. Thereafter he opted for exemption under this notification. As on the 31st day of August, 2000, the manufacturer made clearances of an aggregate value of sixty lakh rupees, comprising of thirty lakh rupees at nil rate of duty, twenty lakh rupees at the concessional rate of sixty per cent of normal duty and ten lakh rupees at the concessional rate of eighty per cent of normal duty. He shall be entitled under this notification to additional clearances upto an aggregate value of forty lakh rupees, at the concessional rate of sixty per cent of normal duty, during the remaining part of the financial year 2000-2001.</p> <p><i>Illustration 3.</i> As on the 31st day of August, 2000, a manufacturer has made clearances of an aggregate value of one hundred and ten lakh rupees, comprising of fifty lakh rupees at the concessional rate of sixty per cent of normal duty, fifty lakh rupees at the concessional rate of eighty per cent of normal duty and ten lakh rupees at the normal rate of duty. He shall not be entitled to any exemption under this notification during the remaining part of the financial year 2000-2001.</p> <p>(iii) in paragraph 2, <i>Illustrations I, II, III and IV</i>, shall be omitted.</p>
--	--	----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------

		<p>(iv) in the <i>Explanation</i>, after clause (H), the following clause shall be inserted, namely:-</p> <p>“(I) refund of the difference between any duty paid on clearances made before the 1st day of September, 2000 and the concessional rate of sixty per cent of normal duty on the ground that such clearances are included in the aggregate value of clearances under Sl.No.1 of the TABLE, shall not be admissible.”</p>
--	--	------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------

[F. No. 354/142/2000-TRU]

VIVEK JOHRI, Dy. Secy.

- Note:— 1. Notification No.8/2000 -Central Excise, dated 1st March, 2000 was published in the Gazette of India, Extraordinary, vide G.S.R. 186 (E), dated the 1st March, 2000 and was last amended by notification No.31/2000 - Central Excise, dated the 31st March,2000 [G.S.R. 291 (E), dated the 31st March,2000]
2. Notification No.9/2000 -Central Excise, dated 1st March, 2000 was published in the Gazette of India, Extraordinary, vide G.S.R. 187 (E), dated the 1st March, 2000 and was last amended by notification No.31 /2000 - Central Excise, dated the 31st March,2000 [G.S.R.291 (E), dated the 31st March,2000]